सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी के प्रस्ताव तेल को तैयार निर्देश, बार-बार गर्म किया गया तेल नुकसानदायक

तीन बार से ज्यादा उपयोग किए गए खाद्य तेल से बनी सामग्री बेचने और खुले में फेंकने पर रोक, क्योंकि सेहत और पर्यावरण पर पड़ता है बुरा असर

[illegible]

[illegible] तेल को महीनों में बदलने या छोटे दुकानदारों को दोबारा उपयोग के लिए देने पर भी रोक लगाई गई है। गाइड लाइन में छोटे-बड़े फूड बिजनेस ऑपरेटर्स से लेकर घरेलू उपयोग तक के लिए दिशा बताई है।

अब, ये धुआं या फोम जाकर आने पर तुरंत रोकना होगा उपयोग : अधिकारी का कहना है कि खाने-पीने की दुकानों में एक से तेल का लगातार कई बार उपयोग किया जाता है। जले हुए तेल से ही धुआं या गंध तेल डाल दिया जाता है। यह व्यवसाय के लिए हानिकारक होता है, लेकिन अब इसे गलतफहमी निकालना जरूरी होगा। तेल पर बालू, हे धुआं जाकर आने या फोम निकल जाना बाकर आने पर इसका उपयोग तुरंत रोकना होगा। खाद्यान्न को चुकी तेल को दोबारा में नहीं बनाया जा सकेगा।

ऐसे तेल के इस्तेमाल पर कैंसर जैसी बीमारी की आशंका

[illegible] बार-बार गर्म करने से उसकी केमिकल कंपोजीशन बिगड़ जाती है। इससे पेट, लीवर के लिए [illegible] जैसी बीमारी होने की आशंका रहती है।

- दो दिन में एक ही इस्तेमाल तेल का दोबारा इस्तेमाल : फोम उपयोग के लिए भी निर्देश है। इस्तेमाल तेल का दोबारा उपयोग दो दिन में कर ले। उपयोग किए तेल को फ्रेश तेल के साथ नहीं मिलाएं। खाद्यान्न तेल को तेल या सीधे खाद्य सामग्री के साथ मिलाकर फेंकें।
- उपयोग किया गया तेल अधिकृत एजेंसी को ही दें : तेल को नष्ट करने के लिए इसे अधिकृत एजेंसी को दें जो उसके निपटान का काम करती है। ऐसी एजेंसी जो मेटल बॉयोडीजल कंपनी या बॉयोडीजल एसोसिएशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त [illegible]।

कर्मचारियों को निपटान के लिए ट्रेनिंग भी देनी होगी

फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को अपने यहां काम करने वाले लोगों को इसके उपयोग और निपटान के लिए ट्रेनिंग देनी होगी। जिन बड़े खाद्य निर्माताओं के यहां [illegible] से ज्यादा तेल का उपयोग होता है, उन्हें एक [illegible] इसकी जानकारी भी देनी पड़ेगी होगी। इसमें उन्हें [illegible] अधिक का नाम, कितना इस्तेमाल हुआ, कब और किस तरह से खराब ऑइल का निपटान किया गया, [illegible] जानकारियों को प्रस्तुत करना होगा।

Scanned by CamScanner

भास्कर खास • बेलोर यूनिवर्सिटी का बच्चों को '8 आवर स्लीप चैलेंज'; निगरानी के लिए डिवाइस भी दी

अमेरिकी यूनिवर्सिटी 8 घंटे सोने वाले बच्चों को दे रही एक्स्ट्रा मार्क्स

वजह- कम नींद लेने की वजह से बच्चों की सेहत बिगड़ रही

एजेंसी | वॉशिंगटन

परीक्षाओं और मार्क्स के तनाव में बच्चों का सोने का वक्त लगातार कम हो रहा है और इसका असर उनकी सेहत पर पड़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए अमेरिका की बेलोर यूनिवर्सिटी ने बच्चों को '8 आवर स्लीप चैलेंज' दिया है। यानी जो बच्चे परीक्षा से पहले या परीक्षा के दौरान लगातार पांच दिन तक आठ घंटे की नींद लेंगे, उन्हें परीक्षा में एक्स्ट्रा मार्क्स दिए जाएंगे। बेलोर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल स्कुलिन बताते हैं- 'बच्चों को आमतौर पर यही लगता है कि रात-रात भर जागकर पढ़ाई करने से परीक्षा में बेहतर कर पाएंगे। हमने ही जब अपने छात्रों से बात की तो उन्होंने ये तक कहा कि या तो नींद ली जा सकती है या अच्छे ग्रेड्स। कॉलेज छात्रों से इस तरह की बात चौंकाने वाली थी। कम नींद लेने का सबसे बड़ा असर याददाश्त पर पड़ता है। याद की हुई बात भी भूल जाने की संभावना रहती है। इसलिए हम छात्रों में आठ घंटे नींद की परंपरा को बढ़ाता देना चाहते हैं। और सबसे अच्छी बात कि 8 आवर चैलेंज में टॉप करने के लिए किसी भी छात्र को घंटों स्टडी टेबल पर बैठने की जरूरत नहीं है।' आठ घंटे की नींद के बदले मिलने वाले अतिरिक्त अंकों को कॉलेज प्रशासन 'मिनी इन्सेन्टिव' का नाम दे रहा है। जो बच्चे स्लीप चैलेंज ले रहे हैं, उन्हें कॉलेज की तरफ से ही कलाई पर बांधने वाली स्लीप-मॉनिटरिंग डिवाइस दी जा रही है। ये डिवाइस छात्रों की नींद का पूरा डेटा कॉलेज के पास तक पहुंचाती है और इसी के आधार पर उनकी नींद को ट्रैक किया जा सकता है। पर्याप्त नींद के बदलने मिलने वाले नंबरों को छात्रों के फाइनल रिजल्ट में भी जोड़ा जाएगा। यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की क्लास में तो बच्चों को स्लीप थेरेपी भी दी जा रही है। इसके तहत बच्चों को गहरी नींद लेने, तनाव कम करने के नुस्खे सिखाए जा रहे हैं।

दरअसल पढ़ाई, तनाव और गैजेट्स की वजह से पूरी नींद ना ले पाने की समस्या काफी बढ़ी है। नींद की कमी को पूरा करने के लिए अलग-अलग कदम उठाए जा रहे हैं। करीब साल भर पहले अमेरिका की इंश्योरेंस कंपनी एटेना ने घोषणा की थी कि जो कर्मचारी 7 से 8 घंटे की नींद लेंगे, उन्हें एक दिन की 15 हजार रुपए तक अतिरिक्त तनख्वाह दी जाएगी।

सिर्फ 10% छात्र ही 8 घंटे की नींद ले रहे हैं

- स्लीप चैलेंज के बदले नंबर का नियम लागू करने से पहले बेलोर यूनिवर्सिटी ने छात्रों की नींद पर स्टडी भी कराई। नतीजा निकला कि ग्रेजुएशन या उससे नीचे की क्लास के महज 10% बच्चे ही 8 घंटे की नींद पूरी कर रहे हैं।
- नींद ले पाने के लिए 75% से भी ज्यादा जिम्मेदारी पढ़ाई और गैजेट्स की है।
- अगर स्कूली छात्रों को हटाकर सिर्फ कॉलेज की बात करें तो पर्याप्त नींद ना लेने वालों की संख्या 70% से ऊपर है। यूनिवर्सिटी का दावा है कि स्लीप चैलेंज से 8 घंटे सोने वाले छात्रों की संख्या 80% हो सकती है।
- एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, कर्मचारियों के कम नींद लेने से किसी देश की जीडीपी तक 2% गिर सकती है।

Scanned by CamScanner

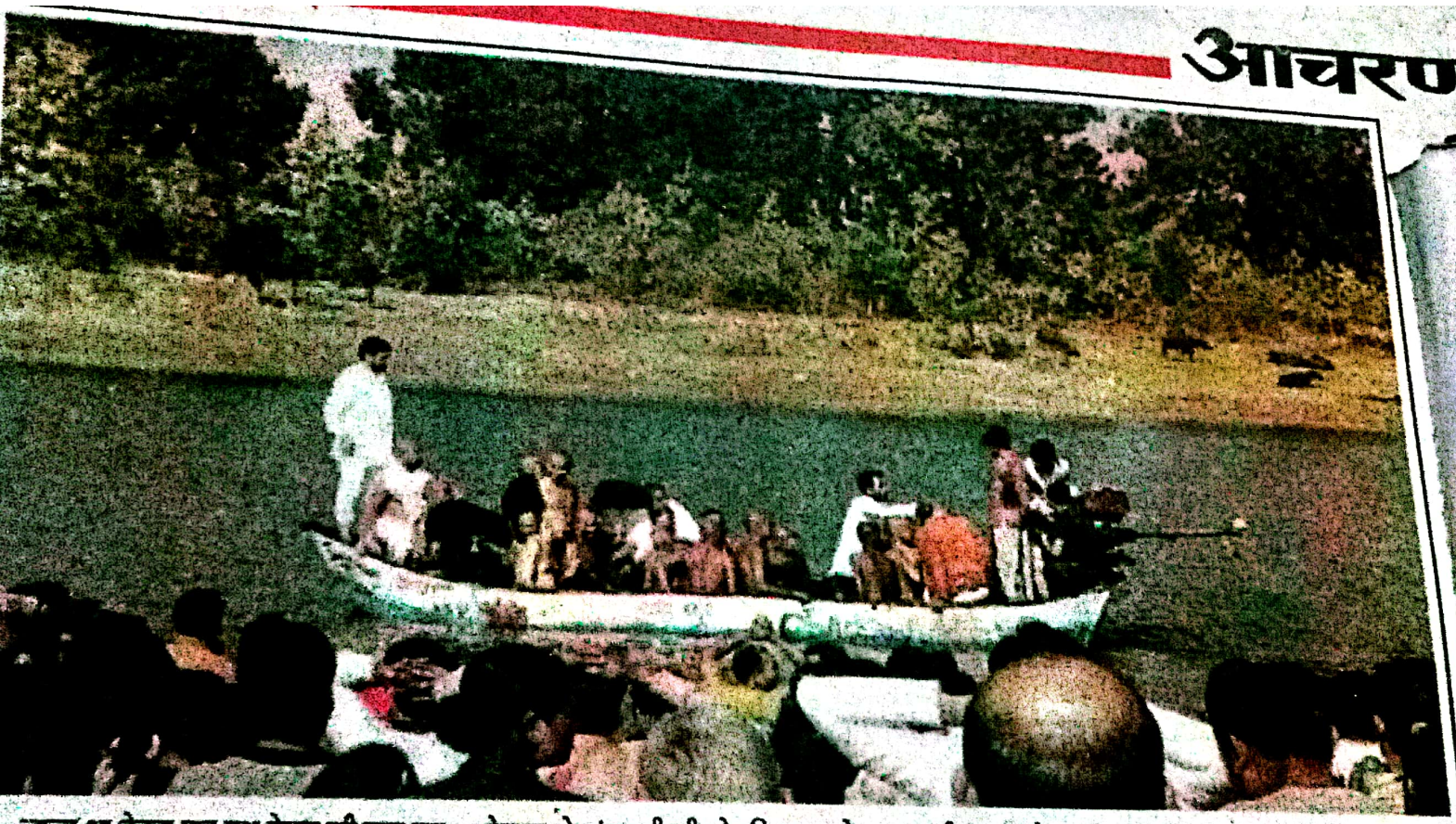

जाना था बेतवा पार प्रभु केवट की नाव चढ़... : देवगढ़ से मुंगावली की ओर बिहार करते समय नदी पार करते गुरुवर आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ भवतः आचार्यश्री पहली बार मुंगावली में नाव में सवार हुये।

Scanned by CamScanner

आचार्यश्री की अगवानी की तैयारियों में जुटे मुंगावलीवासी

केसरिया ध्वज पताकाओं से सजने लगा शहर, हजारों श्रद्धालुओं के मुंगावली पहुंचने की संभावना

दैनिक जागरण ...ोपाल, 4 दिसंबर 2018

जागरण, अशोकनगर। आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज का देवगढ़ से विहार हो गया है। सोमवार को उनका रात्रि विश्राम मुंगावली के समीपस्थ ग्राम मदउखेड़ी में हुआ है इसी के साथ आचार्यश्री के मुंगावली आगमन की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं जिसके चलते मुंगावली शहर केसरिया ध्वजा पताकाओं से सजने लगा है। संभावना है कि आचार्यश्री आज शाम 4 बजे या फिर कल सुबह 8 बजे तक मुंगावली में ससंघ प्रवेश करेंगे। जैन समाज के प्रवक्ता राजीव जैन भगत ने बताया कि आचार्यश्री के मुंगावली पदार्पण की पूरी संभावनाएं हैं जिसके चलते पूरा समाज सहित नगरवासी आचार्यश्री की अगुवानी में पलक-पावड़े बिछाकर प्रतिक्षारत है कि कब आचार्यश्री के चरण इस नगर में पड़ें। उल्लेखनीय है कि ललितपुर में पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न होने के बाद आचार्यश्री ने देवगढ़ की ओर विहार किया था इसके बाद देवगढ़ से मुंगावली की ओर विहार शुरू हुआ है। दोनों स्थानों की दूरी करीब 35 किमी है। मुंगावली से अन्यत्र जाने की संभावनाएं काफी कम हैं यही कारण है कि अन्यत्र स्थानों से भी जैन समाज के लोग मुंगावली पहुंचना शुरू हो गए हैं। उम्मीद है कि आचार्यश्री के नगर आगमन पर करीब 25 से 30 हजार श्रद्धालु शहर में उनकी अगवानी करेंगे। इसको लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। आचार्यश्री के साथ 46 अन्य मुनि भी हैं इसके अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है इसके चलते मुंगावली नगर परिषद द्वारा शहर की साफ-सफाई और जिन स्थानों पर कार्यक्रम ह... कर दिया गया है।

रामलीला मं... विश्...

आचार्यश्री के ... आचार्यश्री पुराना ... रामलीला मंच प... रहा है। संभावन... शुभारंभ भी करें... की तैयारियां क... चंद्रप्रभु जिनाल...

...च पर होगा पूजन, संत विहार में ...ाम, मंडी प्रांगण में प्रवचन

...नगर आगमन के बारे में बताया जा रहा है कि ... बाजार स्थित संत निवास में ठहरेंगे। इसके अलावा ... आचार्य श्री की पूजन का कार्यक्रम तैयार किया जा ... है कि आचार्यश्री सुधा भवन में हथकरघा उद्योग का ...। इसके अलावा मंडी प्रांगण में आचार्य श्री के प्रवचन ... जा रही हैं। वहीं बाहर से आए हुए अतिथियों के लिए ... में भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

...गावली में पहली बार जिले में ...ीसरी बार आएंगे आचार्यश्री

श्रद्धालु एवं मुंगावली जैन समाज के प्रवक्ता राजीव भगत ने बताया कि आचार्यश्री का मुंगावली में पहली बार आगमन हो रहा है जबकि जिले में उनका तीसरा आगमन है। इसके पूर्व 1979 और 1987 में भी आचार्यश्री का जिले में आगमन हुआ है। 1987 में तो थूबोन जी में आचार्यश्री का चातुर्मास हुआ था। इसी दौरान पिपरई, सेहराई, अशोकनगर, चन्देरी में भी आचार्यश्री आगमन हो चुका है।

आज चिरोला में धर्मसभा

थूबोन जी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि आचार्यश्री सोमवार को देवगढ़ से विहार करते हुए मदउखेड़ी पहुंच गए हैं, जहां रात्रि विश्राम के पश्चात मंगलवार की सुबह मुंगावली की ओर विहार करेंगे। दोपहर में चिरोला गांव में धर्मसभा को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात गिलेहर होते हुए मुंगावली में प्रवेश करेंगे। उनके साथ 46 अन्य मुनिश्री भी होंगे।

पाप की सीमा बांधें : आचार्यश्री

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ने कहा कि पाप की सीमा बांधना थी और धर्म की सीमा बांधने लग गए। धर्म की सीमा मत बांधो। मंदिर जाते समय यह मत सोचो कि मंदिर से कितने समय में लौटोगे, नहीं बंधुओ लौटने के लिए मंदिर नहीं जा रहे हैं, बस मंदिर जा रहे हो। अब सीमा यह बांधना कि भगवान घर तो जाना ही पड़ेगा लेकिन शाम को ही लौट जाउंगा, चाहे कुछ भी हो जाए मैं तेरे द्वारे जरूर आऊंगा। यदि ऐसा भाव आ जाए तो समझ लेना तुम्हारे अंदर धर्म का भाव आ गया है।

Scanned by CamScanner

आनंद बनेंगे सौधर्म इंद्र, 8 से भाग्योदय में शुरू होगा पंच कल्याणक

सागर। नवदुनिया प्रतिनिधि

भाग्योदय परिसर में आयोजित पंच कल्याणक गजरथ महोत्सव के प्रमुख पात्रों का मंगलवार को चयन किया गया। सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य आनंद अजित मोना परिवार को और भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य राकेश पिडरुआ नमिता जैन को प्राप्त हुआ।

मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि भाग्योदय तीर्थ परिसर में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और मुनि श्री योग सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में 8 से 14 दिसंबर तक पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव होगा। मुनिसंघ और आर्यिका संघ के सानिध्य में वोलियां लगी। पंच कल्याणक की शुरूआत ध्वजारोहण से होगी। महेश, राहुल बिलहरा परिवार ध्वजारोहण करेगा। कुबेर बनने का सौभाग्य विनोद संदीप जैन, महायज्ञ नायक राजेंद्र सिंघई, राजा श्रेयांस प्रेमचंद, सौरभ नीरज, राजा सोम संतोष बिलहरा अर्चित जैन, भरत इंद्र अनूप रुपाली जैन, बाहुबली राजेश मिली जैन, विधि नायक अनिल नैनधरा, अनुशासिता जैन और ईशान इंद्र सुरेंद्र रानू जैन बने।

सागर। धर्मसभा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि पवित्र सागर प्रयोग सागर महाराज का एवं मुनि श्री विमल सागर महाराज और 5 साधुओं का मंगल प्रवेश भी होगा। कटनी कुंडलपुर अभाना बेगमगंज और अन्य स्थानों से भी आर्यिका संघों का विहार सागर की ओर हो चुका है।

पंचकल्याणक में शामिल होंगी 67 पिच्छी

भाग्योदय तीर्थ परिसर में 14 दिसम्बर होने वाले पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज की परम प्रभाव शिष्य मुनि श्री योगसागर महाराज के ससंघ सानिध्य में होंगे। पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव में 4 मुनिसंघ और 6 आर्यिका संघो की उपस्थिति रहेगी। मुनि श्री योगसागर महाराज और मुनि श्री अभयसागर महाराज सागर में विराजमान हैं। इसके अलावा आसपास के स्थानों से महाराज जी और आर्यिका संघ सागर पहुंच रही हैं। पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव के प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी विनय भैया बंडा होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जैन समाज के पदाधिकारियों की लगातार बैठकें होना शुरू हो गई हैं।

Scanned by CamScanner

कल्पद्रुम महामंडल विधान के तीसरे दिन चढ़ाए गए 175 अर्घ

दमोह। पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान के तीसरे दिन भक्ति भाव के साथ 175 अर्घ चढ़ाए गए। इस अवसर पर आचार्य उदार सागर के प्रवचनों का आयोजन किया गया। सुबहज श्री जी का भक्तिभाव के साथ अभिषेक किया गया। आचार्य श्री के द्वारा शांतिधारा के बाद नवदेवता का पूजन किया गया। समोशरण में विधान के महापात्रों के साथ वैठकर कल्पद्रुम महामंडल विधान पूजन करने का सौभाग्य श्रावक श्रेष्ठी सिल्वर सुरेश जैन परिवार को अर्जित हुआ। इसी परिवार के द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया गया।

विधानाचार्य आशीष जैन पुण्यांश व सुरेश शास्त्री के साथ सुभाष पंडितजी ने कल्पद्रुम विधान पूजन प्रारंभ कराया। इस मौके पर चक्रवर्ती दिनेश जैन पटेरा व सौधर्म इंद्र अशोक जैन परिवार के साथ अन्य महापात्रों इंद्र, इंद्राणियो व श्रावक जनों द्वारा समवशरण की आठ भूमियों में से चैत्य प्रसाद भूमि, खातिका, भूमि लत व उपवन भूमि के 175 अर्घ चढ़ाए गए। अपने प्रवचनों में आचार्यश्री ने कहा कि आज हर व्यक्ति परेशान हैं। कदम- कदम पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

हमने कभी चिंतन किया कि यह परेशानियां क्यों आती हैं। इसका मूल कारण हमारे भीतर ही है। हमारे स्वयं के मन वचन और शरीर के द्वारा जो अशुभ परिणाम होते हैं उनके कारण इस तरह की परेशानियां आती हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम कर्मों के उधर से तो डरते हैं, लेकिन पाप कर्मों को करने से नहीं डरते। यदि मन, वचन और कार्य की अशुभ प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करें तो कर्म परिवर्तित हो सकते हैं।

Scanned by CamScanner

नवदुनिया 11
भोपाल, मंगलवार 04 दिसंबर 2018

समोशरण में श्रीजी का पूजन कर चढ़ाए अर्घ्य

शहर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहा कल्पद्रुम महामंडल विधान

दमोह। नवदुनिया प्रतिनिधि

नगर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर में श्री 1008 कल्पद्रुम महामंडल विधान का आयोजन आचार्यश्री उदार सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में किया जा रहा है। इस अवसर पर विधान के महापात्रो तथा इंद्र इंद्राणीओं द्वारा पूजन करते हुए विधान के अर्घ्य चढ़ाए गए।

कल्पद्रुम महामंडल विधान के दूसरे दिन सोमवार को प्रात: बेला में आचार्यश्री के सानिध्य में श्रीजी के अभिषेक शांतिधारा उपरांत नित्य पूजन भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर विधान के सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य अशोक जैन बरंडा परिवार को अर्जित हुआ। आचार्यश्री उदार सागर महाराज के 58वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके पाद प्रक्षालन का सौभाग्य मानक चंद राजा जैन परिवार को प्राप्त हुआ। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सुरेंद्र जैन लिवास एवं विमल जैन खजरी परिवार ने अर्जित किया। इसके बाद आचार्यश्री का 58वां जन्मदिवस मनाया गया। श्रावक जनों ने सामूहिक रूप से 58 श्री फलों से पूजन आरती करते हुए आचार्यश्री को समर्पित किए। तत्पश्चात कल्पद्रुम महामंडल विधान, पूजन विधान आचार्य आशीष जैन पुण्यांश एवं सुरेश शास्त्री के निर्देशन में प्रारंभ हुआ। महापात्रों द्वारा समवशरण में श्री जी की पूजा अर्चना करते हुए विधान के अर्थ चढ़ाए गए। वहीं इंद्र इंदाणी बने पात्रों द्वारा भी भक्ति भाव के साथ विधान पूजन किया गया। मंगलवार को प्रात: 6.30 बजे से श्रीजी का अभिषेक पूजन प्रारंभ होगा मंदिर कमेटी के अध्यक्ष गिरीश नायक ने सभी श्रावक जनों से समय पर पहुंचकर धर्म लाभ की अपील की है।आचार्यश्री उदार सागर ने अपने आशीर्वचन में कहा कि धर्म करने का अवसर पुण्य से ही प्राप्त होता है। बिना पुण्य के धर्म कार्य संपन्न और सफल होना संभव नहीं है। यदि ऐसा होता तो एक करोड़पति व्यक्ति ही पूरे धर्म आयोजन का आयोजक बनकर धर्म और पुण्य का संचय कर लेता। पुण्य क्षीण होने से तुला करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि कल ही जिस व्यक्ति ने विधान के साथ धर्मेंद्र बनने का सौभाग्य अर्जित किया था उसके समक्ष ऐसी परिस्थिति आ गई कि वह चाह कर भी विधान में शामिल सम्मिलित नहीं हो पा रहा है। आचार्यश्री में विधान के निर्विघ्न संपन्न होने का आशीष देते हुए विधान में सम्मिलित होने वाले सभी लोगों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर मुनिश्री उपशांत सागर ने आचार्यश्री उदार सागर महाराज की तप चर्या और ज्ञान की चर्चा करते हुए उनके सानिध्य में क्षुल्लक से मुनि अवस्था तक के संस्मरणओं को सांझा किया। उन्होंने आचार्यश्री की तुलना नारियल से करते हुए कहा कि आचार्यश्री ऊपर से जितने कठोर नजर आते हैं अंदर से उतने ही कोमल है।

Scanned by CamScanner

आर्यिका संघ का भाग्योदय में हुआ प्रवेश, आज आएंगे मुनि पवित्र सागर, विमल सागर

सागर | भाग्योदय तीर्थ परिसर में आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि योग सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में 8 से 14 दिसंबर तक पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव होने जा रहा है। मंगलवार को दोपहर 1.30 बजे से पंचकल्याणक के प्रमुख पात्रों का चयन मुख्य पांडाल में होगा। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि सोमवार को बांदरी से बिहार कर आर्यिका रिज्यूमति माता भाग्योदय पहुंची। जहां पर मुनि योगसागर महाराज और अन्य मुनि महाराजा से आशीर्वाद लिया। 4 दिसंबर को सुबह पवित्र सागर, प्रयोग सागर महाराज, मुनि विमल सागर महाराज और 5 साधुओं का प्रवेश होगा। कटनी, कुंडलपुर, अभाना, बेगमगंज सहित अन्य कई स्थानों से भी आर्यिका संघों का बिहार सागर की ओर हो चुका है।

आचार्य विद्यासागर महाराज मुगावली पहुंचेंगे

सागर | आचार्य विद्यासागर महाराज ललितपुर पंचकल्याणक के बाद बिहार कर देवगढ़ तीर्थ क्षेत्र पहुंचे । वहां से विहार कर आचार्य संघ 4 दिसंबर को सुबह मुगावली पहुंचेगा। मुगावली में हथकरघा का कार्य ब्रह्मचारी भैया- बहनों किया जा रहा है। इसे और प्रोत्साहित करने आचार्य संघ का मुगावली रवाना हुआ है। जहां आचार्य संघ कुछ दिन प्रवास भी करेगा।

भोपाल, 04 दिसम्बर 2018

Scanned by CamScanner

आचरण ■ सागर ०४ दिसम्बर २०१५

संक्षिप्त समाचार

जैन सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित हृदय रोग एवं किडनी रोग परीक्षण शिविर ९ को

विदिशा । स्थानीय जैन सोशल ग्रुप द्वारा ग्रुप के संस्थापक सदस्य स्व. सुधीर बड़कुर की स्मृति में ९ दिसंबर रविवार को सिविल लाइंस दुर्गा नगर चौराहा स्थित डॉक्टर बागरेचा हॉस्पिटल पर हृदय रोग एवं किडनी रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। ग्रुप पीआरओ समता जैन ने बताया कि शिविर में अपोलो हॉस्पिटल अहमदाबाद के विशेषज्ञ चिकित्सक सीनियर कॉर्डियक सर्जन डॉ. नितिन जैन हृदय से संबंधित समस्त रोग, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट एवं बच्चों में हृदय रोग से संबंधित उपचार हेतु निशुल्क परीक्षण कर परामर्श देंगे। वहीं १७ वर्षो से अधिक का अनुभव प्राप्त ३००० से अधिक किडनी ट्रांसप्लांट एवं ४०० से अधिक केडेवर किडनी ट्रांसप्लांट के अनुभवी सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सक डॉ. मनोज गुम्बर एमडी डीएम नेफ्रॉलॉजी किडनी ट्रांसप्लांट एवं किडनी से संबंधित सभी प्रकार के रोगों के उपचार हेतु निशुल्क परीक्षण कर परामर्श देंगे। शिविर संयोजक ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि मरीजों का पंजीयन डॉ. नवीन शर्मा एमडी शिशु रोग विशेषज्ञ, बांसकुली, दीप ट्रेडर्स, खरी फाटक रोड, महावीर एग्रो, खरी फाटक बाहर व मोहित समैया एम. आर. ट्रेडर्स शास. चिकित्सालय के पास, पारासरी नदी गंजबासौदा पर ७ दिसंबर तक कराया जा सकता है। शिविर स्थल पर ९ दिसंबर को दोपहर १२ बजे तक पंजीयन शिविर प्रायोजक सारिका बड़कुर, सौम्या, आदित्य बड़कुर के सहयोग से किया जावेगा। मरीजों की रोग संबंधी जांचें एन ए बी एल सर्टिफाईड लेब एस एस पैथोलॉजी के सहयोग से विशेष रियायती दर पर की जावेगीं। आवश्यकता पड़ने पर ईकोकॉर्डियोग्राफी विशेष रियायती दर पर डॉ. प्रशांत बागरेचा द्वारा की जावेगी। जैन सोशल ग्रुप विदिशा के मार्गदर्शक इंजी. अशोक मानोरिया, डॉ. के. सी. बागरेचा, इंजी. सुरेन्द्र जैन, एड. अशोक जैन, संस्थापक अध्यक्ष राकेश जैन, अध्यक्ष राजेश जैन, पूर्व जोन चेयरमैन अरूण जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष प्रो. संजय जैन, सचिव मीनाक्षी जैन, सहसचिव मनीष सिंधई, कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन, सहकोषाध्यक्ष प्रो.अमित जैन, पीआरओ समता जैन, संगठन मंत्री संदीप लश्करी सहित सभी सदस्यों ने शिविर का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की है।

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण
दमोह
भोपाल, 5 दिसम्बर 201
www.jagranmp.com/epape

कल्पद्रुम महामंडल विधान के तीसरे दिन भक्ति भाव से चढ़ाए गए 175 अर्घ

आचार्यश्री की दिव्य देशना सुन अभिभूत हुए श्रावकगण

जागरण न्यूज, दमोह

पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर में चल रहे श्री 1008 कल्पद्रुम महामंडल विधान के तीसरे दिन भक्ति भाव के साथ 175 अर्घ चढ़ाए गए। इस अवसर पर आचार्यश्री उदार सागर जी महाराज की दिव्य देशना का लाभ अर्जित करके श्रावकजन अभिभूत होते रहे। कल्पद्रुम महामंडल विधान के तीसरे दिन मंगलवार को प्रातः बेला में श्री जी का भक्तिभाव के साथ अभिषेक किया गया। आचार्यश्री के मुखरबिंद से शांतिधारा उपरांत नवदेवता का पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर समोशरण में विधान के महापात्रों के साथ बैठकर कल्पद्रुम महामंडल विधान पूजन करने का सौभाग्य श्रावक श्रेष्ठी सिल्वर सुरेश जैन परिवार को अर्जित हुआ। इसी परिवार द्वारा आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन करके धर्म लाभ अर्जित किया गया। विधानाचार्य आशीष जैन पुण्यांश एवं सुरेश शास्त्री के साथ सुभाष पंडितजी ने कल्पद्रुम विधान पूजन प्रारंभ कराया इस मौके पर चक्रवर्ती दिनेश जैन पटेरा एवं सौधर्म इंद्र अशोक जैन परिवार के साथ अन्य महापात्रों, इंद्र-इंद्राणियों, श्रावकजनों द्वारा भक्ति भाव के साथ समवशरण की आठ भूमियों में से चैत्य प्रसाद भूमि, खातिका भूमि, लता भूमि एवं उपवन भूमि के 175 अर्घ चढ़ाए गए। विधान के चौथे दिन बुधवार को ध्वज भूमि कल्पवृक्ष भूमि और भवन भूमि का पूजन करते हुए अर्घ समर्पित किए जाएंगे।

विधान के तीसरे दिन पलंदी मंदिर समिति के श्रावक गण गाजे-बाजे के साथ पूजन सामग्री लेकर विधान स्थल पर पहुंचे। जहां उनकी मंदिर समिति द्वारा अगवानी की गई। इस अवसर पर गयाजी बिहार से आए गुरुभक्त परिवार श्वेता-आशीष जैन एवं जबलपुर से आए जैन परिवारों द्वारा आचार्यश्री उदार सागर एवं मुनिश्री उपशान्तसागर महाराज के समक्ष श्रीफल भेंट करके आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास समिति द्वारा अतिथियों का तिलक

वंदन करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मान किया गया। विधान के ध्वजारोहण कर्ता गिरीश नायक की माता जी ने कल्पद्रुम महामंडल विधान शास्त्र की 100 प्रतियां मंदिर को भेंट करने का सौभाग्य अर्जित किया। शाम को महा आरती का सौभाग्य भी गिरीश नायक परिवार को अर्जित हुआ।रात्रि में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गयज्ञं विधान के चौथे दिन श्रावक श्रेष्ठी बनकर महापात्रो के साथ समोशरण में बैठकर पूजन करने का सौभाग्य सुरेंद्र सराफ परिवार ने प्राप्त किया है। बुधवार को चौथे दिन की पूजा के पूर्व प्रातः 6:30 बजे से श्री जी का अभिषेक पूजन प्रारंभ होगा मंदिर कमेटी के महामंत्री चक्रेश सराफ ने सभी से समय पर पहुंचकर धर्मार्जन अपील की है।

अशुभ परिणामों से बचने धर्म मार्ग आवश्यक

आचार्यश्री उदार सागर-विधान के तीसरे दिन आचार्य श्री उदार सागर जी महाराज ने विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज हर व्यक्ति परेशान हैं। कदम कदम पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हमने कभी चिंतन किया कि यह परेशानियां क्यों आती है। इसका मूल कारण हमारे भीतर ही है। हमारे स्वयं के मन बचन और शरीर के द्वारा जो अशुभ परिणाम होते हैं उनके कारण इस तरह की कर्म वर्गाड़ाएं रूप में परिणत हो जाती हैं। जो हमारी आत्मा के साथ बंधता चला जाता है। आचार्य श्री ने कहा कि हम कर्मों के उधर से तो डरते हैं लेकिन पाप कर्मों को करने से नहीं डरते हमारे हंसाता बेदनी कर्म के उदय से शरीर में बीमारियां आती हैं किसी के बंधे हुए कर्मों को बदलने में तीर्थंकर भी समर्थ नहीं है। हम स्वयं अपने कर्मों को परिवर्तित कर सकते हैं। कर्मों का फ्ल उदय में आने पर तो भोगना ही पड़ता है लेकिन उदय में आने से पहले हम कर्मों को धर्म पुरुषार्थ द्वारा परिवर्तित कर सकते हैं जितना डर हमें कर्मों के फ्ल को भोगने में लगता है उतना ही हमें कर्मों को करने में लगना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा कि यदि मन वचन और काय की अशुभ प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करें तो कर्म परिवर्तित हो सकते हैं। जब तक कर्म उदय में नहीं आया तब तक हम पुरुषार्थ के द्वारा कर्मों को परिवर्तित कर सकते हैं। चाहे तो कंम कर सकते हैं और चाहे तो बढ़ा सकते हैं। लेकिन इसके लिए हमें पुरुषार्थ करना होगा और यह अंदर से बाहर तक का होना चाहिए उस जगह पर करना है जहां पर हमारे परिणामों में परिवर्तन आए और जब बहुत विशुद्ध परिणाम हो जाते हैं तो कर्मों का क्षय होने लगता है। आचार्य श्री ने कहा कि तप से सभी कर्मों की निर्जरा हो सकती है। शक्ति के अनुसार तप करना चाहिए। आचार्यों ने कहा कि प्रायश्चित, पश्चाताप, आलोचना, निंदा, गरहा के द्वारा कर्मों में कमी आती है। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म ही एक ऐसा रास्ता है जो हमारी सारी समस्याओं का समाधान करता है। धर्म का एक रास्ता मुनि धर्म और दूसरा श्रावक धर्म है। मुनि बनने के लिए विशेष पुण्य चाहिए। यदि हम साधु नहीं बन सकते तो अच्छा श्रावक तो बन ही सकते हैं। जिनेंद्र भगवान का दर्शन पापों का नाश करने वाला होता है। कर्मों को यदि नष्ट करना है तो देवाधिदेव का दर्शन भक्ति भाव से करना चाहिए। दर्शन को स्वर्ग की सीढ़ी कहा गया है। भगवान का दर्शन भी मोक्ष का कारण होता है। भगवान के दर्शन के नियम का फ्ल आचार्य श्री ने एक उदाहरण द्वारा बताते हुए कहा कि परिवर्तन उनके जीवन में आता है जो मन वचन एवं काय से बड़े निर्मल परिणामों से भगवान का दर्शन करते हैं। अतः नियम संयम एवं चरित्र का पालन करना चाहिए तो जीवन में परिवर्तन आ सकता है।

पिच्छी परिवर्तन समारोह 9 को

आचार्यश्री उदारसागर महाराज, मुनिश्री उपशान्त सागर महाराज एवं आचार्य संघ का पिच्छी परिवर्तन समारोह 9 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे से आयोजित किया गया है। आचार्य श्री ने कहा कि पिछी हेतु किसी प्रकार की बोली नहीं लगाई जाएगी। पिछी लेने के इच्छुक श्रावकजनों को पूर्व में अपने द्वारा त्याग के नियम तथा बाद में किए जाने वाली त्याग की जानकारी लिखित में देना होगी। श्रावक को पिछी प्रदान की

Scanned by CamScanner

मुनि पवित्र सागर और विमल सागर महाराज का ससंघ प्रवेश आज

भाग्योदय तीर्थ परिसर में 8 से 14 दिसंबर तक पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव होने जा रहा है

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. भाग्योदय तीर्थ परिसर में आचार्य विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और मुनिश्री योग सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में 8 से 14 दिसंबर तक पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव होने जा रहा है। 4 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 1.30 बजे से पंचकल्याणक के सभी प्रमुख पात्रों का चयन मुख्य पांडाल में भाग्योदय तीर्थ परिसर में होगा।

मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि वर्तमान में सोमवार को बांदरी से विहार कर आर्यिका रिज्यूमति माताजी भाग्योदय पहुंची। जहां पर मुनिश्री योगसागर महाराज और अन्य मुनि महाराजओं से आशीर्वाद लिया।4 दिसंबर को सुबह पवित्र सागर प्रयोग सागर महाराज का एवं मुनिश्री विमल सागर महाराज और 5 साधुओं का मंगल प्रवेश भी होगा। कटनी, कुंडलपुर, अभाना, बेगमगंज और अन्य स्थानों से भी आर्यिका संघो का बिहार सागर की ओर हो चुका है।

आचार्य विद्यासागर ससंघ मुगावली पहुंचेंगे

सागर. आचार्य विद्यासागर ललितपुर पंचकल्याणक के बाद बिहारकर देवगढ़ तीर्थ क्षेत्र पहुंचे। वहां से विहार करके 4 दिसंबर को सुबह मुगावली पहुंचने की संभावना है। आचार्य के आशीर्वाद से मुगावली में हथकरघा का कार्य ब्र.भैया,बहनों द्वारा लगातार कुछ वर्षों से चल रहा है और इस कार्य को और प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आचार्य संघ का आशीर्वाद संघ सहित यहां के लोगों को प्राप्त होगा। यह जानकारी मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने दी।आचार्य संघ के यहां पर कुछ दिन प्रवास की संभावना है।

पत्रिका . सागर, मंगलवार, 04 दिसंबर, 2018
patrika.com

Scanned by CamScanner

नवदुनिया 07
भोपाल, बुधवार 05 दिसंबर 2018

संसार का ढांचा प्रेम की मजबूत नींव पर खड़ा है : मुनिश्री

बीना। नवदुनिया न्यूज

जैन मंदिर से विहार के पहले मुनिश्री निर्णय सागर महाराज ने दिए प्रवचन

इटावा जैन मंदिर में चातुर्मास कर रहे मुनि निर्णय सागर महाराज ने मंगलवार को मुंगावली की ओर विहार किया। विहार के पूर्व मंदिर में श्रद्धालुओं की सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रेम का अर्थ है बुराई को भलाई से जीतना। संसार में यह दावा कर सकने वाले कम ही लोग मिल पाएंगे कि उनका कोई दुश्मन नहीं है।

मुनिश्री ने कहा कि यदि आपसे कहा जाए कि दुश्मन को प्यार करो तो अटपटा लगेगा। पर यदि कोई व्यक्ति वाकई में ऐसा कर पाता तो वह दुश्मन को ही नहीं जीत सकता, अपने को भी इतना बड़ा इंसान बना सकता है कि दुश्मन उसकी छाया को भी नहीं छू सके। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता के अस्तित्व के लिए यह जरूरी है इसे पाने के लिए पहले अपने को समझना होगा क्योंकि निश्चित ही आप खुद से ही उतने ही अनजान होगे जितने अपनी दुश्मन से।

कोई आपको पसंद नहीं करता या आपकी आलोचना करता है तो क्यों? कुछ कमी होगी। अतीत में कोई भूल की होगी ऐसे कई कारण हो सकते हैं, जिन्हें आप नहीं देख पा रहे होंगे। इसलिए सबसे पहले अपने अंदर झांको। जब कोई व्यक्ति यह समझ लेता है तो उसका नजरिया ही बदल जाता है। मुनिश्री ने कहा कि संसार का ढांचा, प्रेम की मजबूत नींव पर खड़ा होता है। प्रेम के विदा होते ही संसार को गलने में भला क्या देरी होगी? जीवन का अस्तित्व एवं मानवता की नींव प्रेम से ही सशक्त होती है। मुनिश्री ने कहा कि कुछ आदमियों को दूसरों की आलोचला करने में ही मजा है, जबकि कुछ आदमी ऐसा करने से दूर रहते हैं। इसके बाद भी आज के ज़माने में देखा जाए तो सच्चे आदमी कम ही ही मिलते हैं।

मुनिसंघ ने किया विहार

पिच्छिका परिवर्तन समारोह के उपरांत मुनि निर्णयसागर, मुनि पद्मसागर महाराज का विहार मुंगावली की ओर हो गया। मुनि संघ ने मुंगावली के समीप पहुंचकर आचार्य विद्यासागर महाराज की अगवानी की।

Scanned by CamScanner

नवभारत
भोपाल, बुधवार, 5 दिसम्बर, 2018

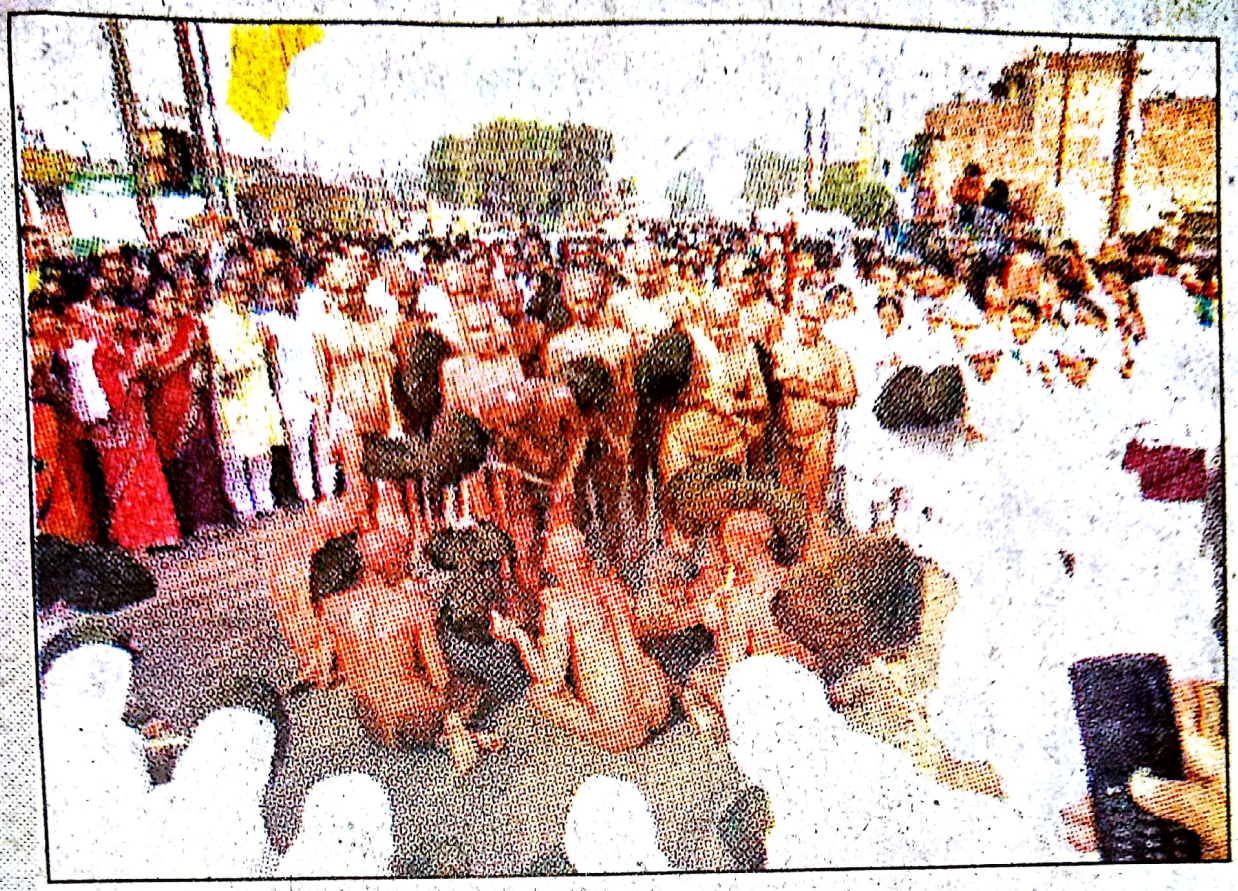

गौरझामर से विहार कर मुनि संघ भाग्योदय तीर्थ में पहुंचे

नवभारत न्यूज

सागर 4 दिसंबर. मुनिश्री विमल सागर,मुनिश्री अनंतसागर ,मुनि श्री धर्मसागर मुनिश्री अचल सागर मुनिश्री अतुल सागर मुनिश्री भावसागर महाराज गौरझामर से विहार कर गोपालगंज जैन मंदिर पहुंचे ।

वहां मुनि श्री संघ ने मंदिर का अवलोकन किया इसके बाद कटरा मंदिर के दर्शन करते हुए रामपुरा पहुंचे वहां मंदिर का अवलोकन किया एवं उपदेश दिया। इसके बाद भाग्योदय तीर्थ की ओर बिहार किया वहां मुनिश्री योग सागर , मुनिश्री अभय सागर , मुनिश्री पवित्र सागर ,मुनिश्री प्रयोग सागर मुनिश्री प्रभात सागर , मुनि श्री संभव सागर मुनिश्री शैल सागर ,मुनिश्री निस्सीम सागर , मुनिश्री निरीह सागर ,मुनिराजो का मिलन हुआ। आर्यिकाश्री विज्ञानमति माताजी एवं आर्यिका ऋजुमति माताजी ससंघ ने आगवानी की।

Scanned by CamScanner

सौधर्म इन्द्र बनेंगे आनंद मोना स्टील भगवान के माता-पिता राकेश पिडरुआ नमिता जैन

सागर। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और योगसागर महाराज के सानिध्य में भाग्योदय परिसर में पंच कल्याणक गजरथ महोत्सव के प्रमुख पात्रों का चयन किया गया । सौधर्मइन्द्र बनने का सौभाग्य आनंद अजित मोना स्टील परिवार को और भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य राकेश पिड़रुआ श्रीमती नमिता जैन को प्राप्त हुआ।

मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि मुनिसंघ और आर्यिका संघ के सानिध्य में हजारों लोग की उपस्थिति में बोलियां लगी। इस अवसर पर 8 दिसंबर को पंच कल्याणक की शुरुआत ध्वजारोहण से होगी। महेश राहुल बिलहरा परिवार ध्वजारोहण करेगा, कुबेर बनने का सौभाग्य विनोद संदीप जैन वैसाखिया बिलहरा, महायज्ञ नायक राजेंद्र सिंघई विकास केसली, राजा श्रेयांस प्रेमचंद सौरभ नी उपकार एजेंसी, राजा सोम संतोष बिलहरा अर्चित भरत इंद्र अनूप रुपाली जैन, बाहुबली राजेश मिली विधि नायक अनिल नैनधरा, अनुशासिता जैन और इंद्र सुरेंद्र रानू जैन बने।

Scanned by CamScanner

सौधर्म इन्द्र बनेंगे आनंद मोना स्टील भगवान के माता-पिता राकेश पिडरुआ नमिता जैन

जागरण, सागर। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और योगसागर महाराज के सानिध्य में भाग्योदय परिसर में पंच कल्याणक गजरथ महोत्सव के प्रमुख पात्रों का चयन किया गया। सौधर्मइन्द्र बनने का सौभाग्य आनंद अजित मोना स्टील परिवार को और भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य राकेश पिडरुआ श्रीमती नमिता जैन को प्राप्त हुआ। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि मुनिसंघ और आर्यिका संघ के सानिध्य में हजारों लोग की उपस्थिति में वोलियां लगी। इस अवसर पर 8 दिसंबर को पंच कल्याणक की शुरुवात ध्वजारोहण से होगी। महेश राहुल बिलहरा परिवार ध्वजारोहण करेगा कुबेर बनने का सौभाग्य विनोद संदीप जैन वैसाखिया बिलहराए महायज्ञ नायक राजेंद्र सिंघई विकास केसलीए राजा श्रेयांस प्रेमचंद सौरभ नीरज उपकार एजेंसी, राजा सोम संतोष बिलहरा अर्चित जैन, भरत इंद्र अनूप रुपाली जैन, बाहुबली राजेश मिली जैन, विधि नायक अनिल नैनधरा, अनुशासिता जैन और ईशान इंद्र सुरेंद्र रानू जैन बने।

Scanned by CamScanner

प्रेम की मजबूत नींव पर खड़ा है संसार का ढांचा :मुनिश्री

नवभारत न्यूज

बीना 4 दिसंबर. इटावा जैन मंदिर से विहार की पूर्व बेला पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए प्रेम एवं आपसी भाई-चारा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए मुनिश्री निर्वेगसागर जी महाराज ने कहा कि प्रेम का अर्थ है बुराई को भलाई से जीतना। संसार में यह दावा कर सकने वाले कम ही लोग मिल पाएँगे कि उनाका कोई दुश्मन नहीं है।

उन्होंने कहा यदि उनसे कहा जाए कि दुश्मन को प्यार करो तो अटपटा लगेगा। पर यदि कोई व्यक्ति वाकई में ऐसा कर पाता तो वह दुश्मन को ही नहीं जीत सकता, अपने को भी इतना बड़ा इंसान बना सकता है कि दुश्मन उसकी छाया को भी नहीं छू सके। क्या आप दुश्मन का इतना भला कर सकते हैं कि वह आपसे घृणा करना छोड़ दे। क्या आप उसे इतना आशीर्वाद दे सकते हैं कि वह आपको अभिशाप देना बंद कर दे। यह काम कठिन है क्योंकि आप उसे प्यार करेंगे जो आपको परास्त करना चाहता है या आपके अस्तित्व को ही मिटाने की कामना करता है। पर यह दुश्कर नहीं है। मुनिश्री ने कहा कि हमारी सभ्यता के अस्तित्व के लिए यह जरूरी है इसे पाने के लिये पहले अपने को समझना होगा क्योंकि निश्चित ही आप खुद से ही उतने ही अनजान होगे जितने अपनी दुश्मन से। कोई आपको पसंद नहीं करता या आपकी आलोचना करता है तो क्यों। कुछ कमी होगी। अतीत में कोई भूल की होगी ऐसे कई कारण हो सकते हैं, जिन्हें आप नहीं देख पा रहे होंगे। इसलिए सबसे पहले अपने अंदर झाँको। जब कोई व्यक्ति यह समझ लेता है तो उसका नजरिया ही बदल जाता है। अपने को समझने के साथ अपने दुश्मन में अच्छाई के गुण खोजिए आप जिससे घृणा करते हैं उसमें खूबियां ढूँढेंगे तो आपकी रचनात्मक शक्ति बढ़ेगी। यदि उसे प्यार करेंगे तो उसे हराने का मौका भी पायेंगे। प्यार सृजनात्मक होता है। यह किसी व्यक्ति की नहीं, बुराई की हार में विश्वास करता है। प्रजातंत्र की भावना तो दुश्मन को प्यार से हराने पर ही टिकी है। मुनिश्री ने कहा कि संसार का ढाँचा, प्रेम की मजबूत नींव पर खड़ा होता है। प्रेम के विदा होते ही संसार को गलने में भला क्या देरी होगी। जीवन को अस्तित्व एवं मानवता की नींव प्रेम से ही सशक्त होती है। प्रेमभाव को किनारे कर दिया।

नव भारत
2 भोपाल, बुधवार, 5 दिसंबर 2018

Scanned by CamScanner

भोपाल, बुधवार ,5 दिसंबर 2018

नवभारत

मुनिसंघ का हुआ मुंगावली विहार

गोपालग्राम में हुआ आचार्य श्री से मिलन

नवभारत न्यूज

बीना 4 दिसंबर. इटावा जैन मंदिर में चातुर्मास के समापन एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह के उपरांत मुनिश्री निर्णयसागर जी महाराज, मुनिश्री पद्मसागर जी महाराज का विहार मुंगावली की ओर हो गया।

विहार के पूर्व मुनि संघ ने संपूर्ण नगरवासियों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। अशोक शाकाहार ने बताया कि मुनि संघ रात्रि विश्राम बमोरी गाँव में कर, मंगलवार को आहारचर्या निठर ग्राम में की। वहां से विहार कर मुनि संघ मुंगावली के समीप पहुंचा सायं 5 बजे ललितपुर से विहार कर आए गोपाल ग्राम आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ भव्य अगवानी श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजों के साथ की। मुनिश्री निर्णयसागर जी महाराज, मुनिश्री पद्मसागर जी महाराज ने आचार्यश्री के चरण छूकर आषीर्वाद लिया। मुनि संघ को विहार कराने वालों में बीना के संजीव पठरिया, बंटी बारथा, टिल्लू बुखारिया, संदीप सिंघई, मनीष बारदाना, रमेश भानगढ़, प्रदीप जैन, प्रदीप टड़ैया, राजू बसारी, मुकेश जैन, नीलेष पप्पू गारमेंटस, शामिल थे।

Scanned by CamScanner

पत्रिका . सागर, बुधवार, 05 दिसंबर, 2018
patrika.com

पंचकल्याणक: सौधर्म इंद्र आनंद-मोना और भगवान के माता-पिता बनेंगे राकेश-नमिता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और योगसागर महाराज के सानिध्य में भाग्योदय परिसर में पंचकल्याणक 8 दिसंबर से होने जा रहा है। उससे पहले यहां मंगलवार को पात्रों का चयन हुआ। सुबह आचार्यश्री के शिष्य

मुनिश्री विमल सागर, अनंत सागर, धर्म सागर, अचल सागर, अतुल सागर और भाव सागर महाराज भी पहुंच गए। यहां मुनिश्री योग सागर महाराज का ससंघ मिलन हुआ।

दोपहर में आयोजित कार्यक्रम में सौधर्मइन्द्र बनने का सौभाग्य आनंद अजित मोना स्टील परिवार और भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य राकेश पिडरुआ नमिता जैन को प्राप्त हुआ। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि मुनिसंघ और आर्यिका संघ के सानिध्य में हजारों लोग की उपस्थिति में बोलियां लगी। 8 दिसंबर को पंच कल्याणक की शुरूआत ध्वजारोहण से होगी। महेश-राहुल बिलहरा परिवार ध्वजारोहण करेगा। कुबेर बनने का सौभाग्य विनोद संदीप जैन, वैसाखिया बिलहरा, महायज्ञ नायक राजेंद्र सिंघई, विकास केसली, राजा श्रेयांस प्रेमचंद, सौरभ नीरज राजा सोम संतोष बिलहरा, अर्चित जैन, भरत इंद्र अनूप रुपाली जैन,राजेश मिली जैन,विधि नायक अनिल नैनधरा,अनुशासिता जैन और ईशान इंद्र सुरेंद्र रानू जैन बने।

Scanned by CamScanner

आपकी खबरें :- समाज, धर्म, क्लब, एसोसिएशन, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, नर्सेज, पुलिस, शिक्षक, चैम्बर ऑफ कॉमर्स

समाज... भाग्योदय परिसर में पंच कल्याणक गजरथ महोत्सव 8 से, प्रमुख पात्रों का हुआ चयन

सागर | योगसागर महाराज के सानिध्य में भाग्योदय परिसर में पंच कल्याणक गजरथ महोत्सव के प्रमुख पात्रों का मंगलवार को चयन किया गया। सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य आनंद अजित मोना परिवार, भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य राकेश पिड़रुआ नमिता जैन को प्राप्त हुआ। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि मुनिसंघ और आर्यिका संघ के सानिध्य में हजारों लोग की उपस्थिति में बोलियां लगी। 8 दिसंबर को पंच कल्याणक की शुरुआत ध्वजारोहण से होगी।

भाग्योदय... मुनि संघ का हुआ मिलन

सागर | मुनि विमल सागर, मुनि अनंत सागर,मुनि धर्म सागर, मुनि अचल सागर, मुनि अतुल सागर, मुनि भाव सागर महाराज मंगलवार को सुबह गोपालगंज जैन मंदिर आए मंदिर का अवलोकन किया इसके बाद कटरा मंदिर के दर्शन करते हुए रामपुरा पहुंचे, जहां वासु पूज्य मंदिर देख और उपदेश भी दिए। इसके बाद मुनि ससंघ ने भाग्योदय तीर्थ की ओर बिहार किया। वहां मुनि योग सागर, मुनि अभय सागर, मुनि पवित्र सागर, मुनि प्रयोग सागर , मुनि प्रभात सागर , मुनि संभव सागर, मुनि शैल सागर, मुनि निस्सीम सागर, मुनि निरीह सागर आदि से गौरझामर से आए 6 मुनियों का मिलन हुआ। वहीं ,आर्यिका विज्ञानमति माता ससंघ एवं आर्यिका ऋजुमाति माता ससंघ ने आगवानी की। जगह-जगह पाद प्रक्षालन हुआ एवं आरती उतारी गई। भाग्योदय में ऐतिहासिक पंचकल्याणक 8दिसंबर से 14 दिसंबर तक चलना है।

धर्म... पत्रिका विमोचन, भूमिशुद्धि, वेदी शिलान्यास महोत्सव संपन्न

सागर | 19 से 24 दिसम्बर तक चलने वाले नेमिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए गौरझामर में मंगलवार को पत्रिका विमोचन,भूमिशुद्धि, वेदी शिलान्यास महोत्सव आयोजित हुआ। पंच कल्याणक बाल ब्रम्हचारी अभिनंदन शास्त्री देवलाली के मंगलवार को कार्यक्रम जिनबिम्ब अभिषेक से प्रारंभ हुआ। लघु पंच परमेष्ठी विधान बाल ब्रम्हचारी नन्हे भैया द्वारा कराया गया । भव्य जुलूस जिन मंदिर से विद्वान पंडित गुलाबचंद बीना और पंडित निर्मल सागर के स्वाध्याय से निकला।कार्यक्रम सभा की अध्यक्षता सुखदयाल देवड़िया, मंगलाचरण विजया जैन द्वारा किया गया। पत्रिका विमोचन रविन्द्र, मुख्य वेदी शिलान्यास सुदर्शन लाल, भूमि शुद्धि एवम ध्वजस्थल शिलान्यास [illegible] परिवार द्वारा किया गया ।

Scanned by CamScanner

तकनीक

इंदौर के आरआर कैट के वैज्ञानिकों ने बनाया कैंसर जांच का उपकरण

मुंह का कैंसर है या नहीं, 15 मिनट में पता चल जाएगा

इंदौर। नवदुनिया प्रतिनिधि

राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआर कैट) के वैज्ञानिकों की एक रिसर्च ने कैंसर की जांच में महत्वपूर्ण सफलता पाई है। अब मुंह के कैंसर (ओरल कैंसर) की जांच के लिए कई दिन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वैज्ञानिकों ने ओन्को डाइग्नोस्कोप नाम से एक मेडिकल उपकरण बनाया है। इससे मात्र 15 मिनट में पता किया जा सकेगा कि मरीज को मुंह का कैंसर है या नहीं।

कैट के डायरेक्टर पीए नाइक ने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम लंबे समय से इस उपकरण पर रिसर्च कर रही थी। यह उपकरण ऑप्टिकल सिग्नल के माध्यम से मुंह के कैंसर को स्कैन करेगा। कैट ने उपकरण की टेस्टिंग के तौर पर शहर के 300 लोगों की जांच की है। इसमें से 30 मरीज ओरल कैंसर से प्रभावित पाए गए। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के मरीजों पर भी उपकरण का परीक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि यह मेडिकल उपकरण बनाने में एम्स के डॉक्टर्स की भी सहायता ली गई है।

लाल सिग्नल यानी बीमारी है, ग्रीन यानी स्वस्थ

सर्वाइकल कैंसर की पहली स्टेज का भी पता लगाएगा उपकरण

संस्थान के वैज्ञानिक एसके मजूमदार ने बताया कि इस समय कैंसर की जांच में 48 घंटे तक का समय लग जाता है। संस्थान में बनाया गया यह उपकरण सिर्फ मुंह का कैंसर ही नहीं बल्कि सर्वाइकल कैंसर होने पर भी शुरुआती स्टेज में परिणाम बताने में सक्षम है। उपकरण में शामिल सॉफ्टवेयर कैंसर होने पर लाल कलर और नहीं होने पर हरा कलर का सिग्नल स्क्रीन पर बताएगा। उपकरण कंप्यूटर बेस्ड पोर्टेबल है। इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है।

तीन कंपनियां लेने के लिए तैयार

यह उपकरण मार्केट में बेचने के लिए तैयार है। इसके लिए मेडिकल उपकरण बेचने वाली तीन कंपनियों ने संपर्क किया है। डॉक्टर्स और छोटे अस्पताल भी इस उपकरण को लेने के लिए आरआरकैट की वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। इसकी कीमत 2.50 से 3 लाख रुपए के बीच रहेगी। उन्होंने बताया कि आरआरकैट ने टीबी की जांच करने के लिए भी उपकरण बनाया है। इससे भी हाथों-हाथ जांच करना संभव है। इसे टीबीएस नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने बताया यह उपकरण मार्केट में आ चुका है।

नवदुनिया
भोपाल, बुधवार 05 दिसंबर 2018

Scanned by CamScanner

पंचकल्याणक पत्रिका का समारोह पूर्वक विमोचन

गौरझामर में 19 से 24 तक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन

नवभारत न्यूज

सागर 4 दिसंबर. शांतिनाथ कुंदकुंद कहान मण्डल ट्रस्ट गौरझामर श्री 1008 नेमिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजन बाल ब्रम्हचारी अभिनंदन शास्त्री देवलाली के प्रतिष्ठाचार्यत्व में सम्पन्न होने जा रहा है ।

पत्रिका विमोचन भूमिशुद्धि.वेदी शिलान्यास महोत्सव का आयोजन को सम्पन्न किया । सर्वप्रथम कार्यक्रम जिनबिम्ब अभिषेक से प्रारम्भ हुआ । लघु पंच परमेष्ठी विधान बाल ब्रम्हचारी नन्हे भैया द्वारा कराया गया । जुलूस जिनमंदिर से कार्यक्रम स्थल तक वहां पर सर्वप्रथम कार्यक्रम स्वाध्याय से प्रारम्भ हुआ । आमन्त्रित विद्वान पण्डित गुलाबचंद बीना और पण्डित निर्मलसागर द्वारा स्वाध्याय हुआ । कार्यक्रम सभा जिसकी अध्यक्षता सुखदयाल देवड़िया केसली द्वारा की गई । सभा का मंगलाचरण सुश्री विजया जैन गौरझामर द्वारा किया गया ।

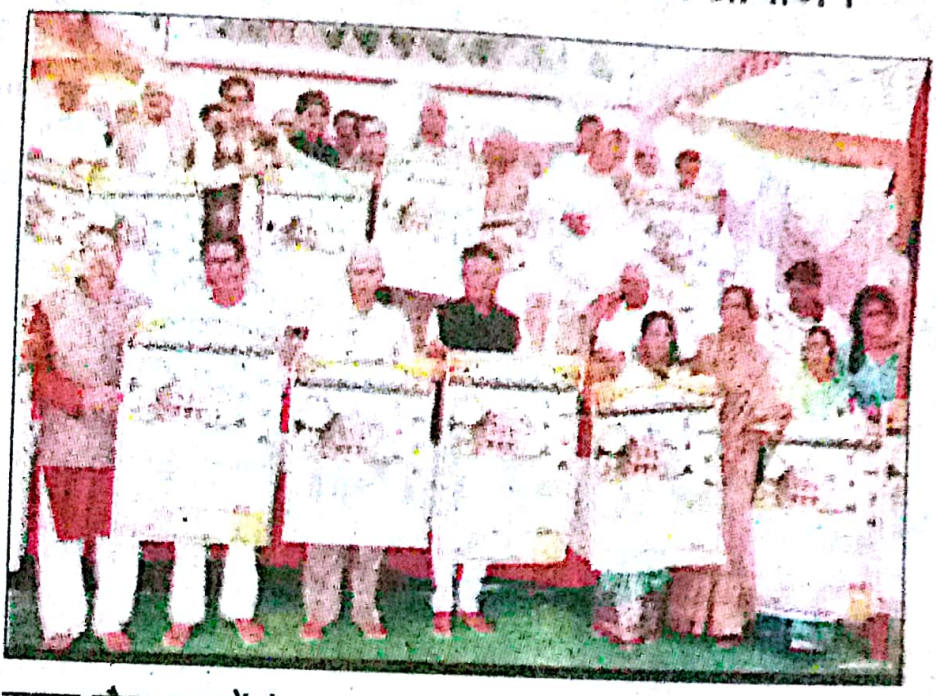

सागर .गौरझामर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा की पत्रिका का विमोचन।

पत्रिका विमोचन रविन्द्र टडा परिवार ·सागर मुख्य वेदी शिलान्यास सुदर्शन लाल बंडा वाले परिवार सागर भूमि शुद्धि एवं ध्वजस्थल शिलान्यास सुख दयाल देवड़िया परिवार केसली द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम मे मुख्यातिथि सुनील जैन पूर्व विधायक अरविंद जैन संतोष नीम गुलझारी लाल जैन प्रमोद मकरोनिया आदि रहे । कार्यक्रम का संचालन अरुण मोदी,सचिन्द्र शास्त्री गढ़ाकोटा द्वारा किया गया।

नवभारत भोपाल, बुधवार ,5 दिसंबर 2018

Scanned by CamScanner